

## निजी कारपोरेट व्यवसाय क्षेत्र का कार्यानिष्पादन, 2012-13\*

निजी (गैर-वित्तीय) कारपोरेट व्यवसाय क्षेत्र के विक्रय में वृद्धि 2012-13 के दौरान आगे और नरम हुई। विनिर्माण क्षेत्र ने लगातार दूसरे वर्ष के लिए निम्नतर विक्रय वृद्धि दर्ज की जबकि सेवा क्षेत्र (दोनों आईटी और अन्य) ने 2012-13 के दौरान निम्नतर माँग प्रकट की। ईबीआईटीडीए मार्जिन विनिर्माण के लिए 2009-10 से तथा सेवा (आईटी को छोड़कर) क्षेत्र के लिए 2007-08 से लगातार गिरावट पर रहा। आईटी क्षेत्र के लिए 2012-13 में कुछ सुधार देखा गया। कुछ प्रमुख उद्योगों में लघुतर कंपनियों का कार्यानिष्पादन बड़ी कंपनियों की तुलना में काफी बदतर था।

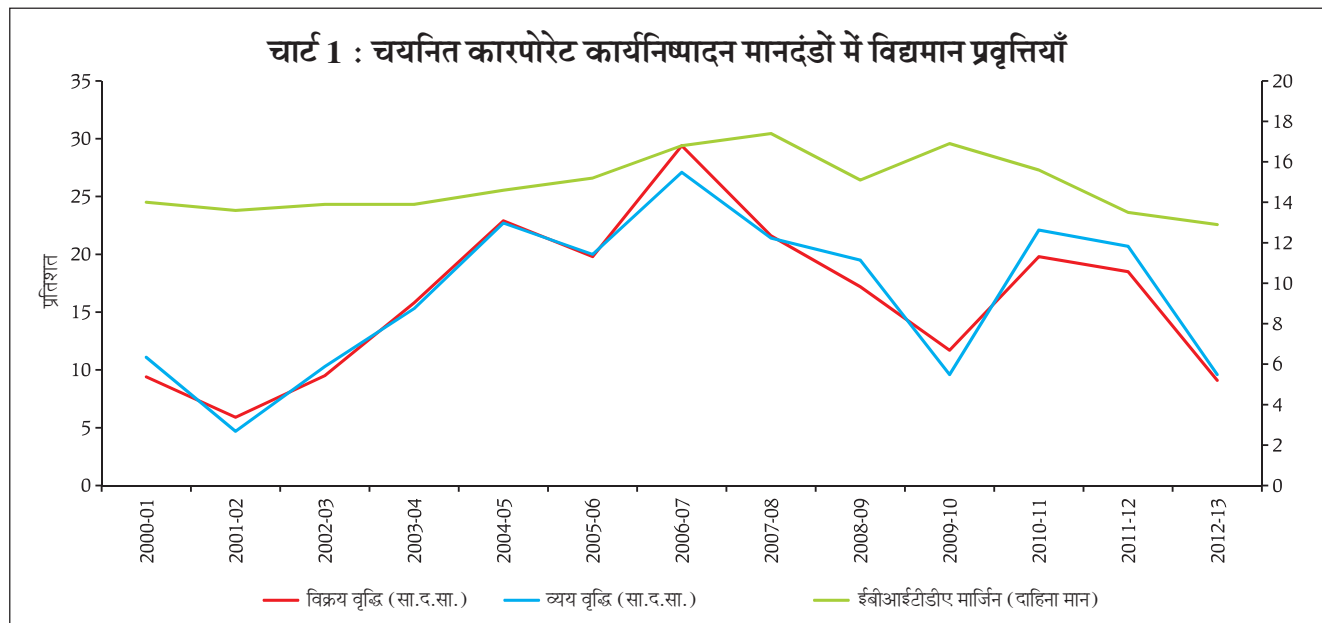
इस आलेख में 2,931 गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ) कंपनियों से संबंधित डेटा के आधार पर 2012-13 के दौरान निजी कारपोरेट व्यावसायिक क्षेत्र के कार्यानिष्पादन का विश्लेषण किया गया है। कुल कार्यानिष्पादन का विश्लेषण करने के साथ-साथ इसमें आकार और प्रमुख उद्योग समूहों के अनुसार संक्षिप्त विश्लेषण दिया गया है। अपेक्षाकृत अधिक लंबी सीमा के दौरान कंपनी क्षेत्र के विक्रय, व्यय और लाभ मार्जिनों में विकसित हो रही प्रवृत्तियों को भी

इसमें ग्रहण किया गया है। विस्तृत डेटा रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है।

### 1. विक्रय वृद्धि में नरमी और संकलित स्तर पर निवल लाभ में संकुचन

1.1 2,931 एनजीएनएफ कंपनियों की विक्रय वृद्धि (वर्षानुवर्ष) 2011-12 में विद्यमान 18.5 प्रतिशत से तेजी से मंद होकर 2012-13 के दौरान 9.1 प्रतिशत रह गई। पिछले दस वर्षों में यह निम्नतम वार्षिक वृद्धि है (चार्ट 1)। तथापि, विक्रय के अनुरूप विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत व्यय भी निम्नतर दरों पर बढ़ा जिसके परिणामस्वरूप 2012-13 के दौरान ब्याज, कर, मूल्यहास और परिशोधन से पहले अर्जन (ईबीआईटीडीए) उच्चतर रहा (सारणी 1)। 'मुख्येतर' आय से घटे हुए समर्थन के साथ ब्याज और कर से पहले अर्जन (ईबीआईटी) वृद्धि मंद रही। लगातार दूसरे वर्ष के लिए 2012-13 में सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों के निवल लाभ में कमी आई। फिर भी, ब्याज व्यय वृद्धि में नरमी के कारण निवल लाभों में संकुचन निम्नतर क्रम का रहा।

1.2 व्यय वृद्धि 2009-10 से विक्रय वृद्धि से तेज चलती रही है जिससे लाभ मार्जिन निम्नतर हो गए। तथापि, व्यय के सभी प्रमुख घटकों ने 2012-13 में निम्नतर वृद्धि दर्ज की। इसके



\* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के कारपोरेट अध्ययन प्रभाग द्वारा तैयार किया गया। पिछला अध्ययन '2011-12 के दौरान निजी कारपोरेट व्यवसाय क्षेत्र का कार्यानिष्पादन' भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन के सितंबर 2012 अंक में प्रकाशित हुआ।

### सारणी 1 : सूचीबद्ध गैर-सरकारी वित्तेतर कंपनियों का कार्यनिष्पादन

कंपनियों की संख्या	2012-13		2011-12*
	2,931		2,679
	राशि (बिलियन रुपये)	प्रतिशत में वर्षानुवर्ष संवृद्धि <sup>®</sup>	प्रतिशत में वर्षानुवर्ष संवृद्धि <sup>®</sup>
	1	2	3
मदे			
बिक्री	29,760	9.1	18.5
उत्पादन का मूल्य	30,009	8.8	17.8
व्यय	26,184	9.6	20.7
सीआरएम**	14,354	9.1	22.3
स्टाफ लागत	2,157	14.6	17.4
बिजली और ईंधन	1,032	10.3	27.0
परिचालन लाभ (ईबीआईटीडीए)	3,825	3.5	1.7
अन्य आय@@	704	14.9	40.7
मूल्यहास	1,031	9.7	10.6
सकल लाभ (ईबीआईटी)	3,498	3.8	4.4
ब्याज	1,119	17.5	35.9
कर पूर्व अर्जन (ईबीटी) ^	2,374	-0.2	-12.4
कर प्रावधान	626	5.1	3.3
निवल लाभ	1,748	-2.0	-16.8
चुकता पूँजी	1,204	5.5	5.0

\* : भारतीय रिजर्व बैंक बुलेटिन के सितंबर 2012 अंक में प्रकाशित

@ : संवृद्धि दरों की गणना किसी भी अवधि के दौरान कंपनियों के सामान्य समूह के आधार पर की गई

\*\* : सीआरएम : कच्चे माल का उपभोग

@ @ : विदेशी मुद्रा अभिलाभ को मिलाकर जबकि विदेशी मुद्रा हानियाँ व्यय में शामिल की गई हैं

^ : परिचालनेतर अधिशेष/कमी के लिए समायोजित

परिणामस्वरूप, ईबीआईटीडीए मार्जिन में संकुचन 2012-13 में निम्नतर क्रम का रहा (सारणी 2)।

### सारणी 2: महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन मानदंड

अवधि	कार्यनिष्पादन मानदंड						
	कंपनियों की संख्या	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	व्यय में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)
	1	2	3	4	5	6	7
2007-08	3,238	21.6	21.4	25.0	27.2	17.4	11.0
2008-09	2,549	17.2	19.5	-1.0	-18.4	15.1	8.1
2009-10	2,629	11.7	9.6	26.6	28.8	16.9	9.4
2010-11	2,763	19.8	22.1	12.4	15.8	15.6	9.0
2011-12	2,679	18.5	20.7	1.7	-16.8	13.5	6.4
2012-13	2,931	9.1	9.6	3.5	-2.0	12.9	5.9

## 2. छोटी कंपनियों के कार्यनिष्पादन में और कमी आई

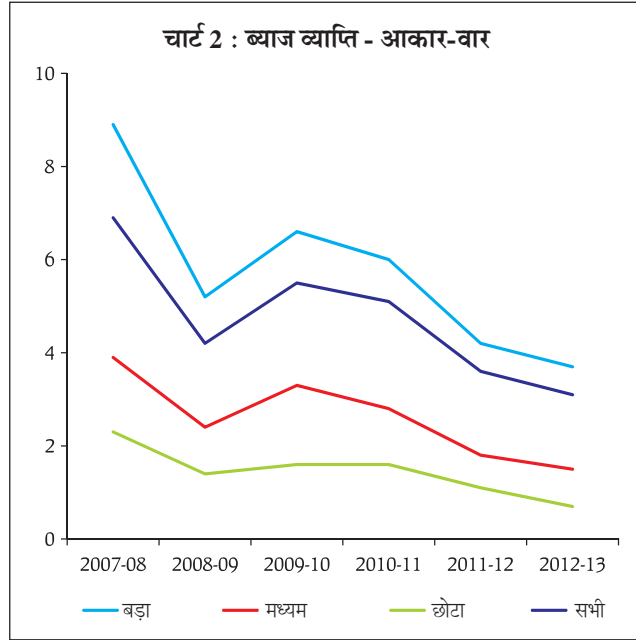
2.1 छोटी कंपनियों (1 बिलियन रुपये तक बिक्री) ने 2008-09 से लेकर बिक्री में निरंतर संकुचन का साक्षात्कार किया। मध्यम आकार वाली कंपनियों (1 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये के बीच बिक्री) ने पिछले दो वर्षों में विक्रय वृद्धि में तीव्र गिरावट देखी। बड़ी कंपनियों की बिक्री भी 2012-13 में तेजी से नरम हुई तथा 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जो पिछले छह वर्षों में निम्नतम है (सारणी 3)।

2.2 छोटे आकार वाली कंपनियों के लिए पिछले दो वर्षों में ईबीआईटीडीए में संकुचन आया और निवल लाभ 2012-13 में ऋणात्मक बन गए। मध्यम आकार वाली कंपनियों के लिए ईबीआईटीडीए लगभग एकसमान रहा जबकि निवल लाभ में संकुचन रहा। बड़ी कंपनियों की ईबीआईटीडीए वृद्धि में

### सारणी 3: आकार वर्ग-वार कार्यनिष्पादन मानदंड

आकार वर्ग	बड़ी					मध्यम					छोटी				
	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
2007-08	21.7	23.5	26.1	18.5	12.1	22.9	32.5	37.6	14.8	8.4	11.4	16.9	-6.8	10.1	5.4
2008-09	20.3	1.6	-12.5	16.2	9.3	10.2	-7.9	-40.6	11.9	4.3	-7.8	-40.2	-84.1	8.4	1.4
2009-10	13.0	27.1	26.4	17.6	10.2	9.6	25.0	45.7	14.7	6.5	-8.8	12.4	42.7	9.2	3.5
2010-11	20.6	13.3	18.1	16.2	9.8	19.1	7.5	4.1	13.2	5.6	-4.4	2.2	-70.4	8.7	1.1
2011-12	20.8	3.7	-15.0	14.0	7.0	9.5	-9.5	-34.6	11.1	3.4	-9.2	-23.6	125.7	6.3	1.2
2012-13	10.7	4.0	3.2	13.3	6.8	1.5	0.7	-62.1	10.5	1.3	-9.3	-14.4	5.4	-4.7	

बिक्री छोटी कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से कम; मध्यम कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये के बीच तथा बड़ी कंपनियों के लिए 10 बिलियन रुपये से अधिक।  
\$: अंश / हर शून्य/नगण्य।



2012-13 में सीमांत रूप से सुधार आया तथा निवल लाभ में 3 प्रतिशत वृद्धि हुई।

2.3 सभी आकार वाले समूहों के लिए ईबीआईटीडीए और निवल लाभ मार्जिन 2009-10 से लगातार घटते रहे हैं।

2.4 सभी आकार वाले समूहों में ब्याज व्याप्ति अनुपात (ईबीआईटीडीए/ब्याज व्यय) निरंतर घटता रहा। यह गिरावट संकलित स्तर पर तथा मध्यम और बड़े आकार वाली कंपनियों के लिए मंद रही। छोटी कंपनियों के लिए ब्याज व्याप्ति अनुपात 2012-13 में 0.7 पर निम्नतम था (चार्ट 2)।

### 3. सभी क्षेत्रों में कार्यनिष्पादन कम हुआ

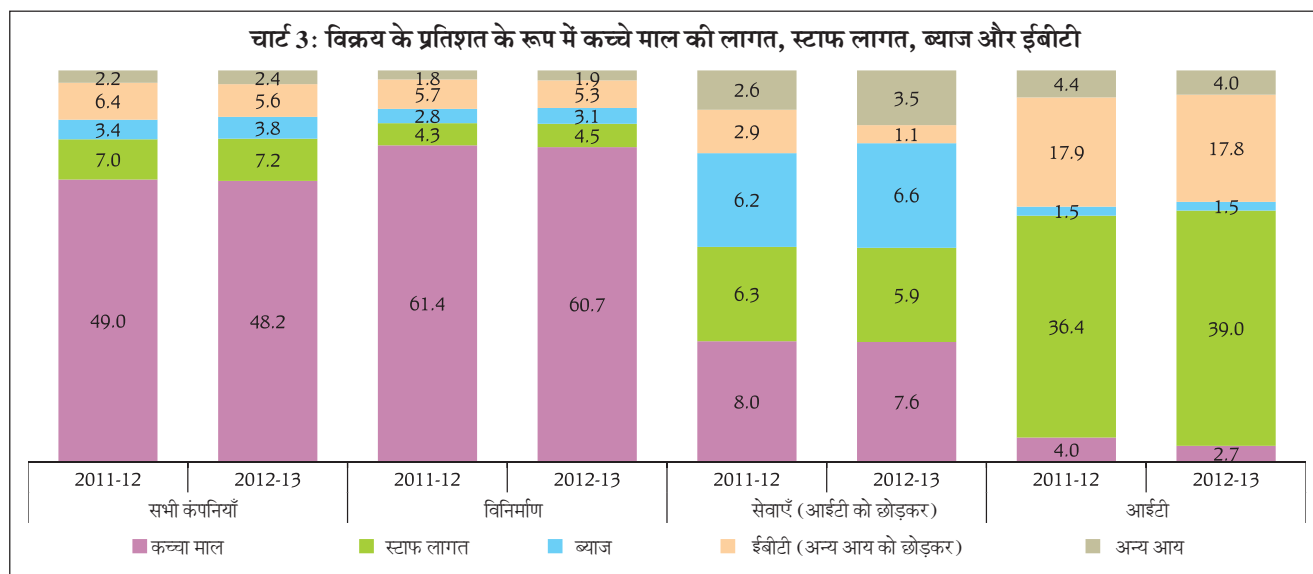
3.1 सभी तीन व्यापक क्षेत्रों में 2012-13 में विक्रय वृद्धि में नरमी देखी गई। विनिर्माण क्षेत्र ने लगातार दूसरे वर्ष के लिए निम्नतर विक्रय वृद्धि दर्ज की जबकि सेवा क्षेत्र (दोनों आईटी और अन्य) ने 2012-13 में निम्नतर माँग प्रदर्शित की (सारणी 4)। विनिर्माण क्षेत्र के लिए 2009-10 से ईबीआईटीडीए मार्जिन लगातार घटा। सेवा (आईटी को छोड़कर) क्षेत्र के लिए ईबीआईटीडीए मार्जिन में 2007-08 से कमी आई। उक्त क्षेत्रों में निवल लाभ मार्जिन भी घट गया। 2012-13 में ईबीआईटीडीए वृद्धि और ईबीआईटीडीए मार्जिन में सुधार होने के साथ उक्त तीनों क्षेत्रों में आईटी क्षेत्र ने लगातार बेहतर कार्यनिष्पादन का प्रदर्शन किया।

3.2 बिक्री के प्रतिशत के रूप में व्यय के घटकों अर्थात् सीआरएम, स्टाफ लागत और ब्याज व्यय का गहन अवलोकन करने पर विदित होता है कि समग्र स्तर पर एवं विनिर्माण क्षेत्र के लिए भी 2012-13 में सीआरएम में कमी को व्यय के अन्य घटकों में वृद्धि से प्रतितुलित किया गया था, जो निम्नतर ईबीटी (कर से पहले अर्जन)मार्जिन के लिए कारण बना (चार्ट 3)। ईबीटी मार्जिन सेवाओं (आईटी और अन्य) के लिए भी घट गया। सेवा (आईटी को छोड़कर) क्षेत्र के लिए यद्यपि बिक्री के प्रतिशत के रूप में सीआरएम और स्टाफ लागत कम हुआ, तथापि ब्याज व्ययों के संबंध में यह बढ़ गया। आईटी क्षेत्र के लिए बिक्री के प्रतिशत के रूप में स्टाफ लागत ने एक उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाई।

#### सारणी 4: क्षेत्र-वार महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन मानदंड

क्षेत्र	विनिर्माण					सेवाएँ (आईटी को छोड़कर)					आईटी				
	बिक्री वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	निवल लाभ में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
2007-08	17.7	18.4	19.2	15.9	9.7	28.0	39.4	43.7	22.8	13.1	26.0	17.5	24.3	20.7	17.8
2008-09	16.3	-4.1	-25.6	13.5	6.6	12.2	-8.2	-22.0	20.9	10.7	18.1	17.9	2.7	20.6	15.5
2009-10	13.3	33.9	45.2	16.1	8.6	3.7	3%	-19.8	18.0	8.2	5.0	19.1	19.1	23.4	17.8
2010-11	23.0	11.9	20.6	14.4	8.3	7.1	9.3	3.4	17.7	7.8	15.0	11.4	12.5	22.2	16.7
2011-12	19.5	0.1	-21.7	11.9	5.5	14.3	-0.7	-42.2	16.1	3.7	18.6	14.9	23.3	21.6	17.5
2012-13	9.4	3.1	3.6	11.3	5.4	10.7	6.0	-29.6	16.0	2.7	11.3	17.0	7.1	22.5	16.8

--: शून्य/नगण्य।

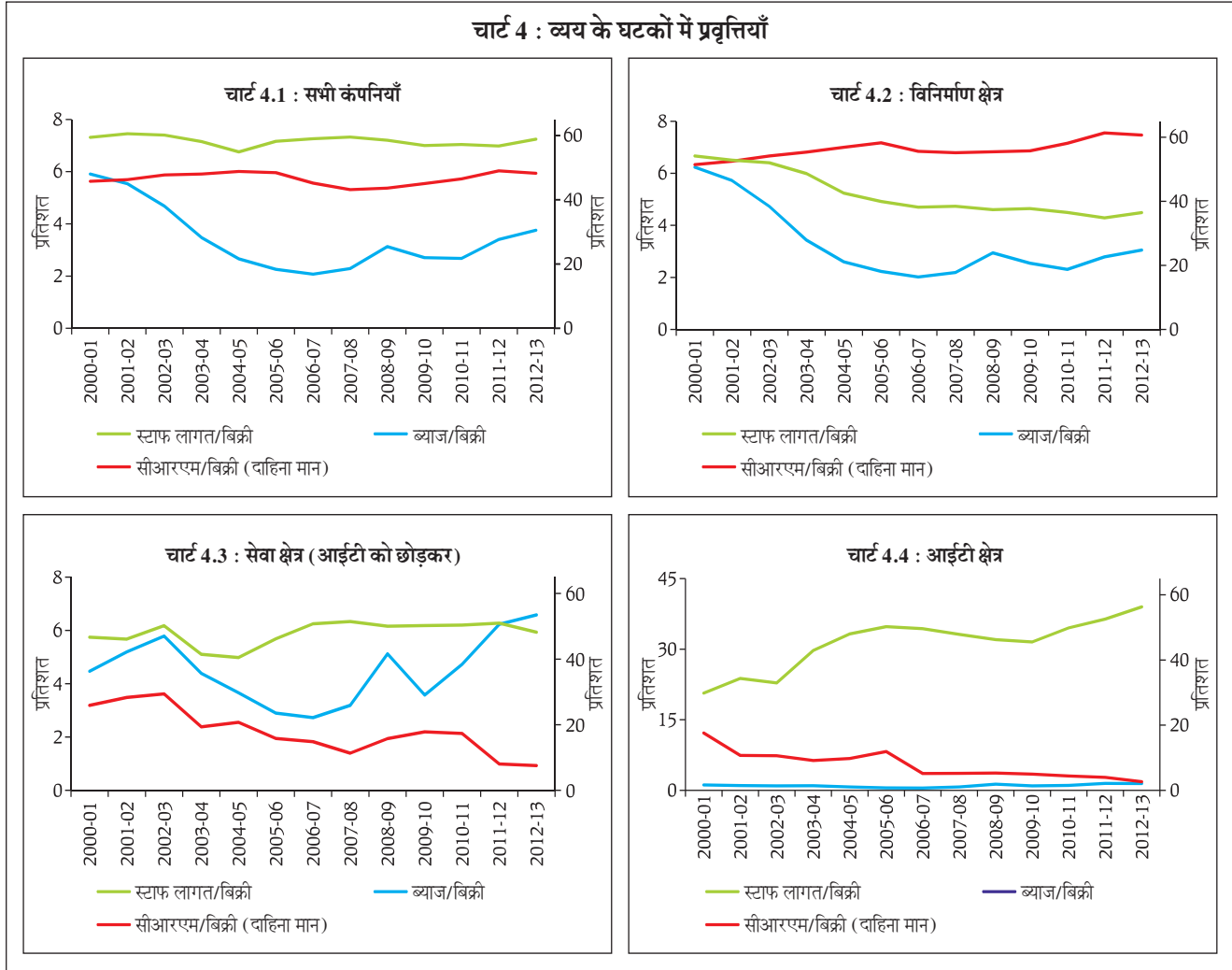


3.3 पिछले दशक के प्रारंभ से दीर्घकालिक प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि एकसाथ सभी सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों के लिए विक्री की तुलना में सीआरएम का अनुपात केवल संकट की अवधि में गिरावट को छोड़कर उचित रूप से स्थिर और एक

**सारणी 5: विक्री के प्रतिशत के रूप में कच्चे माल की लागत, स्टाफ लागत और ब्याज**

	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज	सीआरएम	स्टाफ लागत	ब्याज
	सभी कंपनियाँ			बड़ी			मध्यम			छोटी		
<b>विनिर्माण</b>												
2007-08	55.2	4.7	2.2	55.0	4.3	1.8	55.9	5.8	3.3	54.6	7.1	4.2
2008-09	55.5	4.6	2.9	55.4	4.1	2.6	56.3	6.0	4.0	50.5	7.8	5.3
2009-10	55.8	4.6	2.5	56.4	4.1	2.2	53.9	6.3	3.5	50.4	8.2	5.0
2010-11	58.1	4.5	2.3	58.9	4.0	2.0	55.4	6.4	3.5	49.5	8.0	3.9
2011-12	61.4	4.3	2.8	62.5	3.8	2.5	56.0	6.6	4.2	51.1	9.4	5.0
2012-13	60.7	4.5	3.1	61.5	4.0	2.8	56.4	7.0	4.3	51.7	9.4	6.4
<b>सेवाएँ आईटी को छोड़कर</b>												
2007-08	11.3	6.3	3.2	10.3	5.9	2.8	14.3	7.2	4.2	14.4	8.5	4.2
2008-09	15.8	6.2	5.1	15.7	5.2	5.0	15.7	9.6	5.3	18.0	10.7	6.8
2009-10	17.8	6.2	3.6	18.8	5.2	3.1	14.1	9.6	5.0	14.8	11.9	7.5
2010-11	17.3	6.2	4.7	18.7	5.3	4.3	10.1	10.1	6.7	19.6	10.5	7.5
2011-12	8.0	6.3	6.2	7.8	5.3	5.1	8.2	10.0	11.2	15.1	10.3	6.6
2012-13	7.6	5.9	6.6	6.8	4.6	4.7	9.4	10.9	14.9	20.6	10.8	6.3
<b>आईटी</b>												
2007-08	5.2	33.1	0.7	4.7	33.9	0.5	6.5	30.8	1.9	12.8	24.8	2.1
2008-09	5.3	32.0	1.3	5.2	32.4	1.0	4.7	30.9	2.5	12.0	26.1	3.5
2009-10	5.0	31.5	1.0	4.8	31.4	0.6	4.9	34.6	2.9	12.2	21.7	3.6
2010-11	4.4	34.5	1.0	4.2	34.8	0.7	4.1	34.0	2.4	15.5	24.3	7.0
2011-12	4.0	36.4	1.5	3.3	36.6	1.0	7.9	35.5	4.2	15.2	31.6	9.1
2012-13	2.7	39.0	1.5	2.0	39.4	0.8	7.6	36.2	6.0	10.5	33.5	9.2
<b>सभी कंपनियाँ</b>												
2007-08	43.2	7.3	2.3	42.2	7.2	1.9	46.3	7.4	3.4	43.4	8.8	4.3
2008-09	43.6	7.2	3.1	42.7	6.9	2.8	47.1	7.9	4.2	41.3	9.9	5.4
2009-10	45.0	7.0	2.7	45.0	6.7	2.4	45.8	8.1	3.9	41.7	9.9	5.2
2010-11	46.5	7.0	2.7	46.7	6.7	2.4	46.3	8.4	3.9	41.4	10.0	5.2
2011-12	49.0	7.0	3.4	49.6	6.6	3.0	46.5	8.8	5.2	41.3	11.4	6.2
2012-13	48.2	7.2	3.8	48.6	6.9	3.4	46.4	9.1	6.0	42.0	11.7	7.2

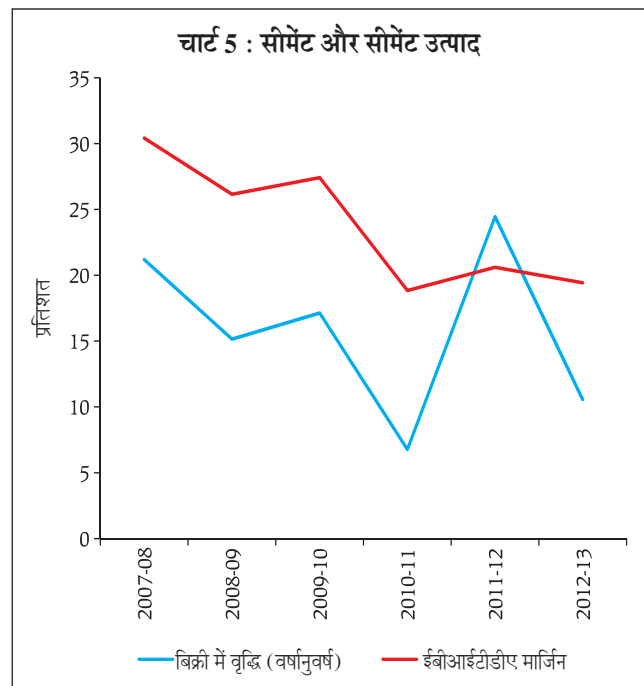
विक्री छोटी कंपनियों के लिए एक बिलियन रुपये से कम; मध्यम कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये के बीच तथा बड़ी कंपनियों के लिए 10 बिलियन रुपये से अधिक।

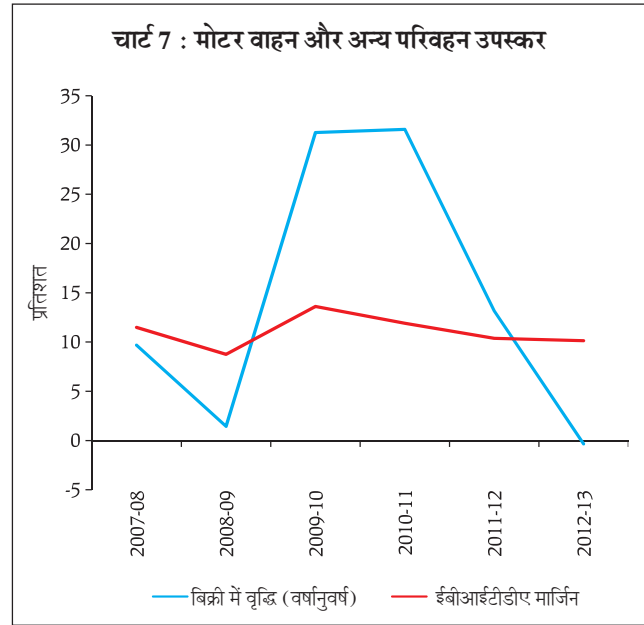
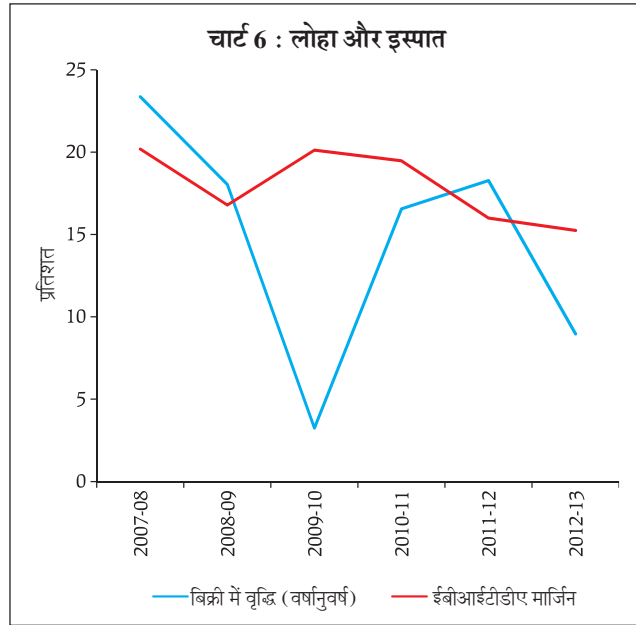


दायरे में आबद्ध रहा है तथा स्टाफ लागत भी स्थिर रही है (सारणी 5 और चार्ट 4)। हाल के वर्षों में सभी क्षेत्रों और सभी आकार वाले वर्गों में ब्याज व्यय बढ़ गए हैं। तथापि, समग्र स्तर पर बिक्री की तुलना में ब्याज का अनुपात 2000-01 में देखे गए स्तरों से नीचे रह गया है।

**4. उद्योगों में बिक्री नरम हुई, परंतु तुलनात्मक रूप से बेहतर कार्यनिष्पादन वाले उद्योगों में भी छोटी कंपनियों ने क्षति उठाई**

4.1 अधिकांश उद्योगों ने 2011-12 की तुलना में 2012-13 में निम्नतर विक्रय वृद्धि और निम्नतर लाभ (ईबीआईटीडीए) मार्जिनों की सामान्य प्रवृत्ति का अनुसरण किया। आधारभूत वस्तुओं के क्षेत्र में सीमेंट उद्योग की विक्रय वृद्धि 2011-12 में 24.5 प्रतिशत के चरम तक पहुँचने के बाद 2012-13 में तेजी से गिरकर 10.6 प्रतिशत हो गई। 2011-12 में थोड़ा-





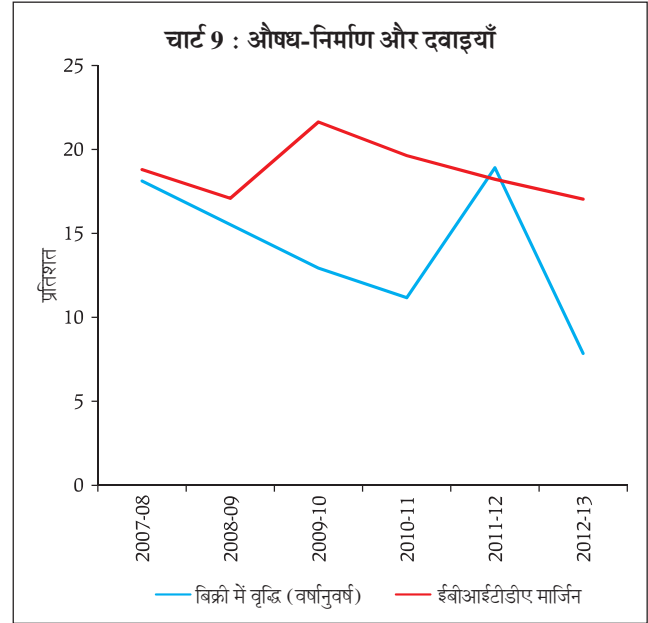
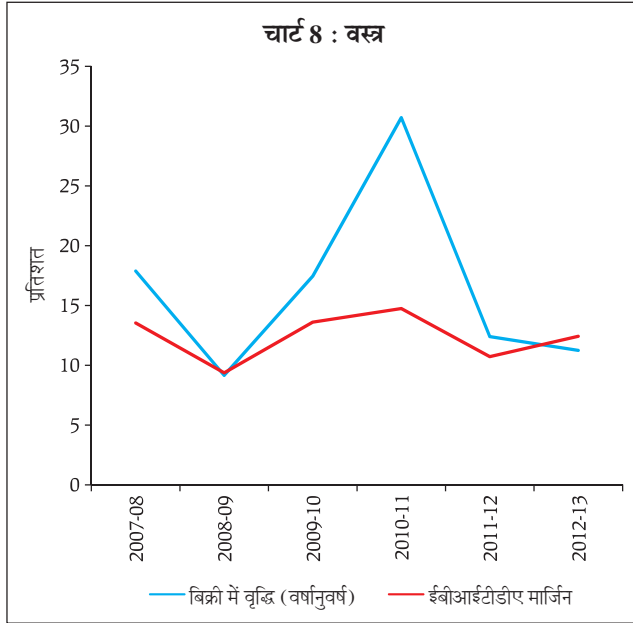
सा सुधार करने के बाद लाभ मार्जिन 2012-13 में नरम हुआ (चार्ट 5)। लोहा और इस्पात उद्योग के लिए भी विक्रय वृद्धि में 2011-12 में विद्यमान 18.3 प्रतिशत से तेजी से गिरावट

आई और वह 2012-13 में 9.0 प्रतिशत रह गई। लाभ मार्जिन में गिरावट लगातार तीन वर्षों के लिए जारी रही (चार्ट 6)। साथ ही, आकार-वार विश्लेषण से लोहा और इस्पात

**सारणी 6 : चयनित उद्योगों के महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन मानदंड**

उद्योग	अवधि	सभी कंपनियाँ			बड़ी			मध्यम			छोटी		
		बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल मार्जिन (प्रतिशत)	बिक्री में वृद्धि (वर्षानुवर्ष)	ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत)	निवल मार्जिन (प्रतिशत)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	2011-12 2012-13	24.5 10.6	20.6 19.4	8.9 10.2	25.5 10.8	21.7 20.3	9.5 10.7	17.8 9.3	13.6 11.5	4.6 5.9	24.5 -5.4	11.8 11.1	-1.2 -5.3
निर्माण	2011-12 2012-13	8.2 4.3	14.7 12.5	4.9 4.1	10.4 5.1	14.9 12.5	5.0 4.3	-3.6 -3.0	12.8 12.9	3.9 2.1	-22.0 -16.1	19.7 13.3	11.5 5.0
लोहा और इस्पात	2011-12 2012-13	18.3 9.0	16.0 15.2	5.1 4.3	20.9 10.9	17.5 16.7	5.9 5.1	3.2 -1.7	5.5 5.9	-0.8 -0.6	-7.6 -11.9	1.5 3.6	-2.6 -4.1
मोटर वाहन और अन्य परिवहन उपस्कर	2011-12 2012-13	13.2 -0.4	10.4 10.1	6.1 5.4	12.9 0.2	10.4 10.3	6.3 5.7	16.4 -4.9	10.6 9.2	5.3 3.1	2.2 -0.1	7.1 4.0	4.2 3.9
औषध-निर्माण और दवाइयाँ	2011-12 2012-13	18.9 7.8	18.2 17.0	9.0 10.1	23.2 7.7	20.0 18.5	9.4 11.8	7.8 9.2	13.4 13.3	8.4 5.7	2.6 -2.7	3.2 5.9	-4.2 -1.9
वस्त्र	2011-12 2012-13	12.4 11.2	10.7 12.4	1.8 2.1	18.6 15.7	13.6 14.5	3.8 3.7	5.8 4.6	6.0 8.8	-1.1 -0.1	-17.2 -8.9	5.6 2.5	-5.2 -9.5
मशीनरी <sup>^</sup>	2011-12 2012-13	16.6 3.6	9.7 8.4	4.8 3.4	17.9 5.7	9.8 8.3	5.2 3.2	13.2 -3.9	9.1 9.1	3.6 5.1	5.4 -2.1	9.8 4.4	3.7 -6.8

<sup>^</sup> : इसमें मशीनरी और मशीन औजार तथा इलेक्ट्रिकल मशीनरी और उपकरण शामिल हैं। बिक्री छोटी कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से कम; मध्यम कंपनियों के लिए 1 बिलियन रुपये से 10 बिलियन रुपये के बीच तथा बड़ी कंपनियों के लिए 10 बिलियन रुपये से अधिक।

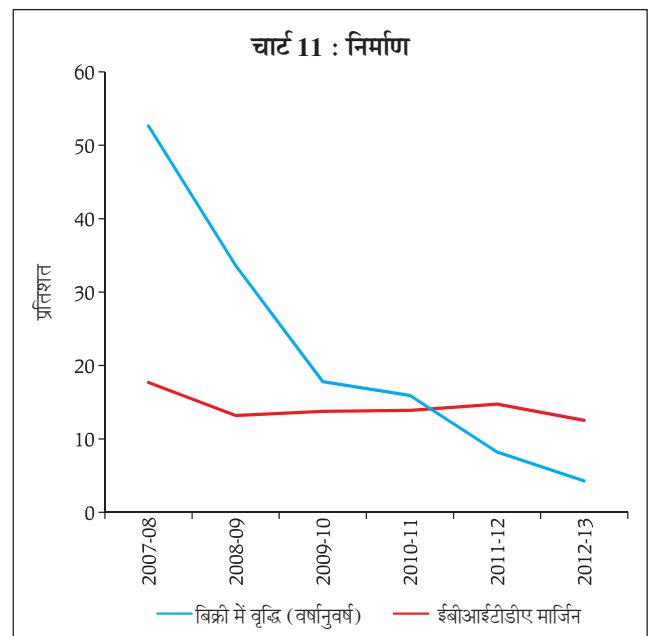
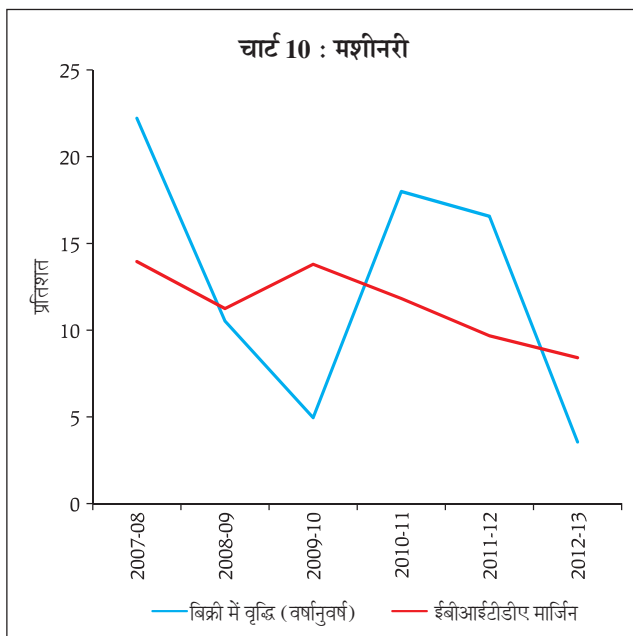


उद्योग के अंदर छोटे और बड़े आकार वाली कंपनियों की विक्रय वृद्धि और लाभ मार्जिन में एक स्पष्ट अंतर का पता चलता है (सारणी 6)।

4.2 उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र में मोटर वाहन उद्योग ने 2011-12 में विक्रय वृद्धि में भारी गिरावट का सामना किया तथा उसके बाद 2012-13 में बिक्री में आगे और संकुचन हुआ (चार्ट 7)। वस्त्र उद्योग ने भी बड़े और छोटे आकार वाली कंपनियों के बीच उल्लेखनीय अंतरों के साथ लगातार दो वर्षों के लिए (चार्ट 8) विक्रय वृद्धि में गिरावट देखी (सारणी 6)। औषध-निर्माण उद्योग में विक्रय वृद्धि में संकट के बाद की अवधि में 2010-

11 तक गिरावट रही (चार्ट 9)। इसमें 2011-12 में तेजी से सुधार हुआ जो 2012-13 तक धारणीय नहीं रह सका। मोटर वाहन और औषध-निर्माण उद्योग के लिए मार्जिन लगातार नरम रहे, परंतु वस्त्र उद्योग के लिए इसमें थोड़ा-सा सुधार रहा। सभी उद्योगों में ईबीआईटीडीए मार्जिन छोटे आकार वाली कंपनियों के लिए काफी निम्नतर थे (सारणी 6)।

4.3 पूँजीगत वस्तु क्षेत्र में जो संवृद्धि के माध्यम के रूप में माना जाता है, मशीनरी उद्योग ने लाभ मार्जिन में संकुचन सहित दो वर्षों के लिए विक्रय वृद्धि में कमी दर्ज की (चार्ट 10)। निर्माण उद्योग के लिए संकट के बाद समुत्थान का कोई संकेत





दिखाना अभी बाकी है यद्यपि लाभ मार्जिन 2012-13 में थोड़ी-सी नरमी के साथ लगभग स्थिर रहा है (चार्ट 11)।

### 5. तिमाही आधार पर विक्रय वृद्धि में कमी अन्यून रही, लाभ मार्जिन स्थिर रहा

5.1 तिमाहियों से (एनजीएनएफ) सूचीबद्ध कंपनियों के कार्यनिष्पादन के विश्लेषण से पता चलता है कि विक्रय वृद्धि ने 2012-13 की पहली तीन तिमाहियों में मामूली गिरावट का साक्षात्कार किया और चौथी तिमाही में अचानक इसका पतन हुआ (सारणी 7)।

5.2 तिमाही 2 और तिमाही 3 में धनात्मक वृद्धि के बाद ईबीआईटीडीए का तिमाही 4 में समग्र स्तर पर संकुचन हुआ।

5.3 ब्याज व्यय में वृद्धि 2012-13 की तिमाही 3 में बढ़ोतरी को छोड़कर उक्त तिमाहियों के दौरान उल्लेखनीय रूप में घट गई। उक्त तिमाहियों में अन्य आय से समर्थन में भी क्रमिक रूप से कमी आई।

5.4 निवल लाभों में 2012-13 की तिमाही 2 और तिमाही 3 में वृद्धि के बाद तिमाही 4 में संकुचन हुआ। फिर भी, लाभ मार्जिन पहली दो तिमाहियों के दौरान घटे और अंतिम दो तिमाहियों में प्रायः स्थिर रहे।

#### सारणी 7: तिमाहियों में चयनित कंपनियों का कार्यनिष्पादन

मद	2011-12				2012-13			
	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4
	1	2	3	4	5	6	7	8
कंपनियों की संख्या	2,227							

#### प्रतिशत में वर्षानुवर्ष वृद्धि दर

बिक्री	22.3	18.9	19.1	15.6	13.9	11.6	9.3	3.6
व्यय	22.6	22.0	24.6	16.6	16.2	12.3	8.0	4.2
परिचालन लाभ (ईबीआईटीडीए)	13.3	-0.1	-5.3	-0.4	-3.2	12.2	7.7	-0.4
अन्य आय	65.3	46.3	87.6	49.2	24.3	49.9	0.8	-1.2
मूल्यहास	11.0	11.0	11.5	10.5	9.9	9.5	9.7	7.4
सकल लाभ (ईबीआईटी)	19.3	3.0	-0.5	4.3	-2.8	20.2	5.8	-2.6
ब्याज	35.2	61.0	55.4	38.8	36.4	9.7	16.0	9.4
निवल लाभ	8.4	-32.6	-29.9	-5.0	-9.1	26.0	25.8	-15.2

#### प्रतिशत में अनुपात

ईबीआईटीडीए मार्जिन	15.2	13.2	12.8	13.3	12.9	13.2	12.6	12.7
ईबीआईटी मार्जिन	13.5	11.9	11.5	12.6	11.5	12.8	11.2	11.8
निवल लाभ मार्जिन	7.8	6.4	5.1	7.2	6.2	7.2	5.9	5.9
बिक्री के प्रति ब्याज	3.1	3.4	3.4	3.3	3.7	3.4	3.6	3.5
ईबीआईटी के प्रति ब्याज	22.7	29.0	29.2	26.5	31.8	26.4	32.3	29.7
ब्याज व्याप्ति (कितनी बार)	4.4	3.5	3.4	3.8	3.1	3.8	3.1	3.4